दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 149
मुरादाबाद
(Saturday)
19 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

उज्जैन में संघ प्रमुख का युवाओं को संदेशः धर्म बांधता नहीं बल्कि मुक्त करता है, बताया रिलीजन से क्यों है अलग

उज्जैन में युवा धर्म संसद के दूसरे दिन ऋस्स् प्रमुख मोहन भागवत ने युवाओं को धर्म और रिलीजन के बीच अंतर को समझाया। उन्होंने कहा कि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है और युवाओं को जीवन की सही दिशा देने का माध्यम है।उज्जैन के देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया

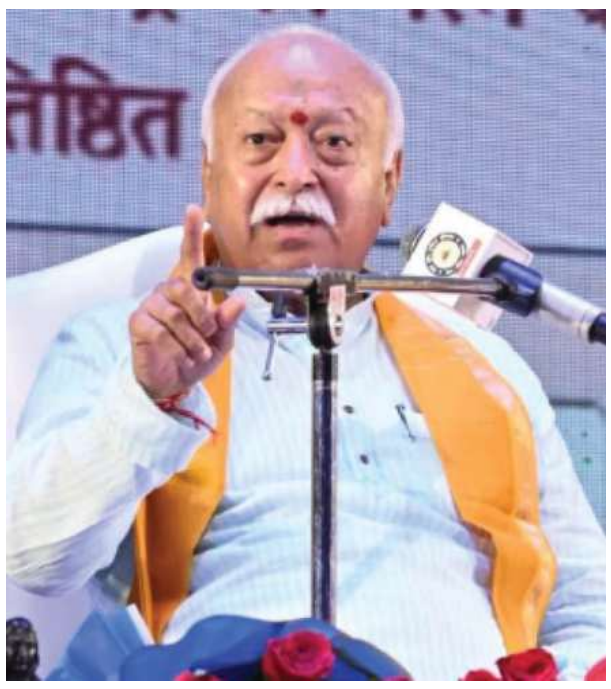

और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है। रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है, जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांड को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है।बता दें कि इस धर्म संसद में देशभर से लगभग 1,700 युवा छात्र-छात्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं। प्रसिद्ध पटकथा लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान धर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा, एआई तथा सूचना-विचार संघर्ष जैसे समसामयिक विषयों पर विस्तृत संवाद और व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं।

धर्म ही देता है युवाओं को दिशा-कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच श्लोक पूरी महाभारत का सार हैं। जीवन में धर्म से ही काम, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि धर्म पर रोते-रोते चलने के बजाय यदि इसे समझकर अपनाया जाए, तो जीवन सार्थक हो जाता है। किसी को पीड़ा न देना ही सबसे बड़ा धर्म है और पीड़ा देना महापाप है।अगला संस्करण द्वारका में होगा

सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा सिद्धपीठ हनुमत निवास, अयोध्या के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज के मार्गदर्शन में युवा धर्म संसद का यह छठा संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले काशी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार और कांचीपुरम में इसके सफल आयोजन हो चुके हैं। अब इसका अगला संस्करण द्वारका में आयोजित किया जाएगा।उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी और सेवाज्ञ संस्थानम् के अध्यक्ष आशीष कुमार आशु उपस्थित रहे। व्याख्यान सत्रों में जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरिजी महाराज, अनादि फाउंडेशन की सह-संस्थापिका स्मृति अनंतलक्ष्मी और प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक जे. नंद कुमार भी युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में सूखे का ऐलान करें: शरद पवार ने मुख्यमंत्री फडणवीस को लिखा पत्र

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सूखा घोषित करने और किसानों को 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर और खेत मजदूर परिवारों को 25 हजार रुपये देने की मांग की है। उन्होंने कर्ज माफी और फसल बीमा का दायरा बढ़ाने पर भी जोर दिया।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सूखे की घोषणा करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जिन तहसीलों में हालात बेहद खराब हैं, वहां सूखा घोषित किया जाए। फसल खराब होने से परेशान किसानों को कम से कम 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की आर्थिक मदद दी जाए।शरद पवार ने बुधवार को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में राज्य में कम बारिश का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के 36 में से 31 जिलों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। कपास और दालों की फसल शामिल है। बुवाई का क्षेत्र भी काफी घट गया है। मांग की कि सरकारी औपचारिकताओं का इंतजार किए बिना सूखा घोषित किया जाए। प्रभावित इलाकों में तुरंत राहत पहुंचाई जाए। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों को 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर देने की मांग की। उन्होंने खेत मजदूर परिवारों को भी 25 हजार रुपये प्रति परिवार विशेष मदद देने की मांग की। उन्होंने तुरंत कर्ज माफी योजना लागू करने की मांग की। साथ ही किसानों को नया फसल कर्ज उपलब्ध कराने को कहा।पवार ने नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की भी मांग की।

26 ग्लोबल कंपनियां यूपी में जीसीसी में करेंगी निवेश, 22 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

1710 करोड़ रुपये के निवेश वाले चार प्रस्तावों को उच्चस्तरीय समिति की मंजूरी मिल चुकी है। ये कैबिनेट अनुमोदन अथवा लेटर ऑफ कम्फर्ट चरण में हैं। 14 मामले डीपीआर स्तर पर हैं, जिनमें 1223 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है।उत्तर प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के कई हब विकसित करने की तैयारी है। औद्योगिक विकास विभाग ने 2000 से अधिक कंपनियों से संपर्क चुना है। इनमें तत्काल निवेश के लिए 26 कंपनियां चुनी गई हैं। इनसे 3936 करोड़ रुपये के निवेश और 22 हजार रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। विभाग जमीन, कार्यालय विश्वविद्यालयों व निजी क्षेत्र के सहयोग से प्रतिभा ढांचा विकसित कर रहा है। वहीं, 25 विश्वविद्यालयों से एमओयू कर पूर्व छात्रों के डाटा से टैलेंट पूल बनेगा।चार प्रस्ताव अंतिम चरण में = अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, ऑप्टम और बार्कलेज एंकर जीसीसी हैं। एलजी, अमेरिप्राइज, एओएन, मेटलाइफ और टेबल स्पेस से बातचीत चल रही है। एडोबी, फिसर्व और ईएक्सएल समेत 150 जीसीसी कंपनियां संभावित लक्ष्य समूह में हैं। 1710 करोड़ रुपये के निवेश वाले चार प्रस्तावों को उच्चस्तरीय समिति की मंजूरी मिल चुकी है। ये कैबिनेट अनुमोदन अथवा लेटर ऑफ

कम्फर्ट चरण में हैं। 14 मामले डीपीआर स्तर पर हैं, जिनमें 1223 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। दो मामलों में जमीन की अड़चन है।नोएडा में विस्तार की तैयारी= नोएडा में 169 जीसीसी संचालित हैं। यहां 12 विकल्पों में 24.6 मिलियन वर्ग फुट ग्रेड-ए स्पेस मैप किया गया है। 26.9 लाख वर्ग फुट तत्काल उपलब्ध है। किराया 65 से 85 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रतिमाह है। सेक्टर-127 में 57 फीसदी जगह है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 167 एकड़ जमीन जीसीसी के लिए तैयार है। इसमें नोएडा के वाणिज्यिक भूखंडों की 37.4, ग्रेटर नोएडा की 77 और 52.8 एकड़ जमीन शामिल है। 10.1 लाख वर्ग फुट तैयार किराये की जगह चिह्नित है। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर प्रदेश की मेधा को रोकने और बाहर से प्रतिभा लाने में मील का पत्थर साबित होंगे। तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ वेतन मिलेगा। जल्द परिणाम आएंगे।

मायावती की मांगः स्पेशल कंपोनेंट प्लान वाले मेडिकल कालेज में आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील करे सरकार

बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्पेशल कंपोनेंट प्लान वाले मेडिकल कालेज मामले और यूपीआई से भुगतान पर टैक्स लगाने के मामले में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को मेडिकल कॉलेज के मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील करनी चाहिए।बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी सरकार से अपील की है कि राज्य सरकार स्पेशल कंपोनेंट प्लान वाले मेडिकल कॉलेजों के मामले की सुप्रीम कोर्ट में अपील करे। उन्होंने बयान जारी किया कि बहुचर्चित सामाजिक न्याय की जरूरत व मांग भी यही है कि यूपी सरकार

माननीय न्यायालय में यदि इस बात की पुरजोर पैरवी करती कि एससी समाज के हित व कल्याण हेतु स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के धन से जिला सहारनपुर, अम्बेडकरनगर, कन्नौज व जालौन में बनाये गये मेडिकल कालेजों में एससी वर्ग हेतु अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था 50 प्रतिशत के सामान्य आरक्षण से अलग है। स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान की भरपूर उपयोगिता साबित होती है तो शायद माननीय कोर्ट इस पर जरूर सकारात्मक विचार करता और इस पर रोक नहीं लगाता। उन्होंने कहा कि अब जबकि हाईकोर्ट ने इस पर पाबन्दी लगा दी है और मेडिकल दाखिला भी अब यहां इससे प्रभावित है तो ऐसे में यूपी सरकार तुरन्त सुप्रीम कोर्ट में आपेक्षित राहत के लिये अपील करे तो यह उचित होगा।यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्टया मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को कर मानने को तैयार नहीं है, किन्तु दिनांक 15 अक्तूबर से लागू हाने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये जेब तो अन्ततः आमजनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगाउन्होंने आगे कहा कि साथ ही, यह भी सर्वविदित है कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है व उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं। ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज़्यादा हो तो यह उचित होगा। जनता की तंगी, दुख-तकलीफ की अगर सरकार चिन्ता नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा?इसके साथ ही, यूपी सरकार द्वारा करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के करीब 14,500 स्कूलों को स्मार्ट स्कूल बनाने की घोषणा अच्छी बात है, लेकिन बच्चों को कथित स्मार्ट पढ़ाई से पहले उन्हें बुनियादी शिक्षा आदि की जरूरतें अर्थात स्कूली बच्चों के सर पर छत, उनके लिये बेंच, कुर्सी, किताब, शौचालय, मैदान, साफ-सफाई आदि की सही व्यवस्था पूरी की जायें और यह सब प्रति स्कूल करीब दो लाख रुपये में क्या संभव हो पायेगा, इस पर भी सरकार सहानुभूतिपूर्वक जरूर विचार करे।

वोट चोरी के बाद अब पार्टी चोरीः टीएमसी पर चुनाव आयोग के फैसले से भड़के राहुल, ममता के समर्थन में बोले

निर्वाचन आयोग के टीएमसी का नाम और %फूल-घास% चुनाव चिह्न इस्तेमाल न करने के आदेश पर राहुल गांधी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे %पार्टी चोरी% करार दिया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए राहुल गांधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर निर्वाचन आयोग के फैसले पर हमला बोला। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के उपचुनावों के दौरान तृणमूल कांग्रेस के दोनों विरोधी गुटों को पार्टी का नाम और %फूल और घास% चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है।राहुल गांधी ने क्या कहा?-राहुल गांधी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी लोगों के जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय आयोग उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही तरीका अपनाया जाता है। भाजपा और

निर्वाचन आयोग मिलकर एक पार्टी को बांटने के लिए साथ आते हैं। फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है।राहुल गांधी ने कहा, जब एक पूरी पार्टी ही चुराई जा सकती है, तो यह हैरानी की बात नहीं है कि करोड़ों भारतीयों के वोट भी चुराए जा सकते हैं।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय, वह उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं।राहुल गांधी ने कहा, यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है। यह हर राजनीतिक पार्टी की लड़ाई है। यह हर उस मतदाता की लड़ाई है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है।निर्वाचन आयोग के फैसले पर कांग्रेस ने क्या कहा?-इससे पहले कांग्रेस ने भी गुरुवार को निर्वाचन आयोग के फैसले की आलोचना की थी। आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के गुटों को पश्चिम बंगाल के उपचुनावों में पार्टी का नाम और %फूल और घास% चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था।कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने अपनी सांविधानिक जिम्मेदारी से पीछे हटने का काम किया है। कांग्रेस ने यह भी कहा था कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न जब्त करना मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देर रात जन्मदिन का तोहफा है।निर्वाचन आयोग ने एआईटीसी के दोनों विरोधी गुटों को उपचुनावों के दौरान पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। नेताओं को सुनने के बाद कहा कि इस मामले पर चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के प्रावधानों के तहत आयोग को विस्तार से फैसला करना होगा।

बेबी फूड की जांच में मिली गड़बड़ी?: नेस्ले इंडिया पर FSSAI की बड़ी कार्रवाई, शिशु पोषण उत्पादों पर उठाए सवाल

एफएसएसएआई ने शिशु पोषण उत्पादों के नियमों के उल्लंघन पर नेस्ले इंडिया के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए हैं। एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 और लैक्टोजेन प्रो 1 के प्रचार दावों पर आपत्ति जताई गई।भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को नेस्ले इंडिया लिमिटेड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। मामला उत्पादों के प्रचार में किए गए कुछ दावों और एक प्रोडक्ट में पोषक तत्व की तय मात्रा से जुड़ा है। जिन उत्पादों को लेकर सवाल उठाए गए हैं, उनमें एनएएन एक्सेला प्रो 1,लैक्टोजेन प्रो 1 और नेस्ले का एक फॉलो-अप फॉर्मूला शामिल है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि इन उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिलहाल एफएसएसएआई ने कथित नियम उल्लंघन को लेकर तीन अलग-अलग मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की है। अंतिम फैसला संबंधित प्राधिकरण की जांच और सुनवाई के बाद ही होगा।एफएसएसएआई के कानूनी नोटिस के मुताबिक, एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 के प्रचार में '5 HMOsÓ और 'Whey Protein' से जुड़े दावे किए गए थे। एफएसएसएआई ने इन दावों को लेकर नेस्ले इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद प्राधिकरण ने कहा कि प्रचार सामग्री फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (शिशुओं के पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) रेगुलेशन, 2020% के रेगुलेशन 4(2) के अनुरूप नहीं पाई गई। इस नियम के तहत शिशुओं के लिए बनाए गए खाद्य उत्पादों के प्रचार और ऐसे दावों पर कई तरह की पाबंदियां हैं, खासकर जब उनका उद्देश्य उत्पाद की बिक्री बढ़ाना हो।

संपादकीय Editorial

UPI is not "free."

The trumpets that Prime Minister Modi was trumpeting and reassuring the people of the country have been shattered, and the truth is out. The government, through the National Payments Corporation of India (NPCI), has announced that digital payments (UPI) will no longer be "free," but will instead directly and indirectly cost the common customer, the consumer, and the common man. Now, the reality may be emerging: a return to cash transactions! The common man had become addicted to UPI transactions. He afound the system easy and convenient. He began making almost every payment through UPI. Street vendors, tea vendors, or even illiterate women selling fruit in baskets began accepting digital payments through "scan." Its popularity and pervasiveness are evident in the fact that UPI transactions totaled ?314.23 lakh crore in a single year. The number of UPI users is estimated to be 24,162 crore. On average, 660 million transactions are conducted daily through UPI. Nearly 67% of payments are for more than ?2,000. However, the government reports only 4% of transactions, and 96% for transactions below ?2,000. In reality, this 4% constitutes 67% of transactions. Indeed, the Government of India's notification states that no fees will be charged for person-to-person transactions or transactions up to ?2,000. The shopkeeper, merchant, or merchant will have to pay the fee anyway, hence the term "MDR." This is a ridiculous and foolish system.

Why should grocery stores, milk and yogurt stores, pharmacies, or TV, refrigerator, or mobile phone showrooms, ultimately, bear this "compensation"? How much oversight can banks maintain? They cannot force anyone to use the payment system. NPCI has set a 0.4% fee for UPI payments above ?2,000, and a maximum fee of ?300 for larger transactions of ?75,000 or more. You'll now have to pay a fee of ?5 per transaction for essential payments like railways, telecom, insurance, fuel at petrol pumps, and agricultural inputs. School and college fees exceeding ?2,000 will be charged a flat rate of ?300. How can the common man not be burdened, Prime Minister? Perhaps the government felt the temptation to collect taxes from the millions of crores of rupees being transacted through digital payments! The question also arises: why spend ?20,000 crore annually on UPI's vast, diverse network? Why allocate ?2,000 crore in each year's budget? Why not share some of the burden and costs with the people of the country? Whatever the reason, the Modi government's "global thali bajaau" (global thali bajaau) propaganda has now been exposed. There has been no explanation from the government as to why this "penalty" had to be imposed. Of course, our UPI transactions are prevalent in 11 other countries, and agreements are under consideration with 23 others. This may be part of foreign policy, but the concern should be for ordinary Indians, who are often poor, have the lowest incomes, and vote for political parties to power. They are burdened by a heavy burden of taxes. There are fees on ATM cards, debit cards, and credit cards from banks. Charges apply if the bank balance falls below a certain threshold. A checkbook page costs an average of 2-5 rupees. A bounced check carries a penalty of 250-500 rupees. Even closing a bank account requires a fee of 200 rupees. The average person pays GST indirectly on every good and service. And the undisclosed blessing is that the MDR will not be levied on the common man. Neither are the banks poor, nor is NPCI in losses. Its accounts hold approximately ?1,800 crore in profits. The Reserve Bank of India has given approximately ?2.5 lakh crore to the Government of India.

The True Form of Culture Should Be Revealed

The responsibility for reforming religious festivals and events cannot be left to the government, nor can it be expected that a new culture will emerge on its own. Hooliganism, obscene songs, and misbehavior are commonplace at some festivals. Public celebrations should incorporate high culture and aesthetics. Temples, religious institutions, and social leadership should be the catalysts for change. After a long time, in the last few decades, Hindus have been celebrating their festivals without hindrance, with joy, and enthusiasm. However, it cannot be denied that for some, these festivals have become an excuse for chaos and noise. Scenes like these are common during some festivals: processions that block roads for hours, loud music, obscene songs and dances, and misbehavior with passersby, which not only pose a law and order challenge but also undermine the purity and sanctity of these festivals. These events also lack artistry. Hindu life across a wide swath of society awaits the rise of a high culture.

In this context, public celebrations also require that this new high culture be reflected. High culture does not mean a culture confined to museums, auditoriums, or a small segment of society. High culture is one whose expression reveals mythology, civilizational symbols, and philosophical essence in an aesthetically restrained manner. A culture that is meaningful and civilized, that refines tastes, expresses emotions, cultivates meditation and sensitivity, and gives society a dignified view of itself. It is not that popular culture is inherently vulgar and only elite culture is superior. From the Ragini of northern Haryana to the Kajri or Chaiti singing of eastern Uttar Pradesh, to the Kohbar of Mithila and the Bundeli Phaag, all have been expressive and dignified arts.The same can be said of the Charkula dance traditions of Brij, the Ghoomar of Haryana, and the Jhijhiya dance traditions of Mithila. However, it is true that many folk dances and music are either disappearing or losing their original form due to the increasing vulgarity. This situation is saddening, because high culture not only stimulates the senses but also disciplines and elevates them. This is even more significant in the context of Hindu civilization, because Hindu aesthetics are not limited to merely beautifying objects.

Hindu thought has the concept of rasa, which transforms ordinary emotions into istic experiences. Emphasizing this characteristic of Indian art, Anand Kentish Coomaraswamy, a pioneer of culture and art, wrote that the purpose of Indian art is not merely to imitate tangible objects but to reveal higher ideals and deeper truths through them. In his view, visual beauty is a disciplined medium for the artist to express the eternal. Sri Aurobindo warned about the decline of art, saying that if discipline is lost, it can become "trivial, garish, sensual, cheap, and vulgar." For him, great art had the power to elevate intellect, emotion, and character. According to Sri Aurobindo, a society's aesthetic sense is not merely a matter of taste; it gradually becomes the character of that society. Incidents of obscene dancing and singing during some religious festivals exemplify Sri Aurobindo's warning.A beautiful example of how beautiful festivals can be was seen during the Janmashtami festival held recently in Guruvayoor. In this festival in Kerala, floral arrangements, lighting of lamps, Krishna-Gopika dances, Uriyadi (the pot-breaking ritual), processions, devotional music, and traditional orchestras created a magical magic, a wonderful blend of celebration, devotion, and beauty. It is not that Guruvayoor invented any modern solution; traditional methods were adopted there. By incorporating these traditional elements, the Ganpati procession can include abhangas, classical and folk music, well-organized orchestras, flags, decorations based on authentic Hindu symbols, and theatrical performances based on mythology. Janmashtami can include dance, kirtan, poetry, drama, painting, storytelling, and artistic lighting. Navratri, too, can become a nine-day cultural festival, encompassing melodious music, dance, literature, costumes, and an understanding of the meaning of the Goddess tradition, rather than just ear-splitting music.The question is who should lead this change? The responsibility cannot be left to the government, nor can it be expected that a new culture will emerge on its own. Temples, religious institutions, cultural organizations, universities, artists, and conscious social leadership must step forward. Large temple trusts and religious organizations can play a particularly important role, as they have both resources and influence. They can encourage innovation in music, dance, drama, painting, festive decoration, and processions.

Governments and municipalities can provide the necessary facilities, but creative leadership must come from within society. Wealthy devotees and cultural trusts can also invest their money not only in grand pandals and ear-splitting music but also in patronizing artists and new cultural creations. The goal is not to reduce Hindu festivals to solemn classical music festivals or to devoid them of humor, color, play, and simple devotion. The goal should be to make them more beautiful, imaginative, and gentle. Any civilization The seriousness of Hindu culture becomes apparent when it begins to take seriously the forms through which it expresses itself. The reconstruction of Hindu high culture must strive to uplift the life of the people.

An ecosystem that imposes its agenda

The dominant ecosystem is one that influences people's thinking by either exaggerating or ignoring an issue.

The soft response to a Kerala cleric's anti-women statement. The delay in taking action on sexual harassment allegations against a JNU professor. The impact of agenda-driven media and political silence. A recent example of how an issue can be exaggerated or ignored to influence social thinking, and how the narrative-building ecosystem works, is the lenient response to a Kerala cleric who declared that women leaving their homes would lead to disaster. This Taliban-minded cleric is Sheikh Abubakar Ahmed, known as the Grand Mufti of Kerala. His stature can be gauged from the fact that pressure from his supporters forced a Kerala TV channel, which had discussed the issue, to apologize. The pressure was so intense that the TV channel, along with the apology, also removed the video of the debate. Moreover, an FIR was also filed against Aparna, the journalist from the channel that moderated the debate, alleging that she had vitiated the atmosphere and incited riots. This happened even after Aparna had apologized. All this happened in Congress-ruled Kerala. It's worth noting that just a few days ago, Congress leader Rahul Gandhi, citing Manusmriti, had expressed the need to fight and dismantle patriarchy, but Abubacker's statement took a serious toll on him. It's worth noting that the Congress government in Kerala is run with the support of the Muslim League, and Priyanka Gandhi Vadra is the MP from Wayanad, a League stronghold.

Although the Kerala Chief Minister expressed his disagreement with Maulana Abubacker's statement, due to Rahul Gandhi's silence, no central Congress leader dared to speak out against the Maulana. In Kerala, known for its progressiveness and where many women work, Grand Mufti Abubakar publicly stated that women should not go out in public. He compared women to gold jewelry, kept safe in a box. This is also the same Kerala where the speech of the Hamas leader, who carried out the most horrific attack on Israel, was broadcast, and where many young people have gone on to join the Islamic State and al-Qaeda.Even those advocates of freedom of expression, who would have raised a hue and cry over a similar statement by a religious leader of any other sect, remained virtually silent on Abubakar's deeply patriarchal thinking and the FIR filed against Aparna. A large section of the media also did not consider it necessary to give importance to this matter. One can understand that this incident did not suit their narrative.ding the BRICS summit, considered it necessary to meet Abubakar during his visit to Kerala. His meeting with Abubakar is not surprising, given that he has sheltered the jihadist-minded Zakir Naik.The same ecosystem that was not particularly bothered by Maulana Abubakar's statement about keeping women veiled and at home is also lenient towards the JNU professor accused of sexual harassment by 11 female students. These allegations were made nearly four months ago, yet no action was taken. Perhaps this is because the professor is a Congress MP from Manipur, and the left holds sway at JNU. The collusion between Congress and the left is no secret.Seeing no action being taken against the accused professor, the Delhi Commission for Women issued a notice to the JNU Vice Chancellor and sought a report within three days regarding the action taken by the university's Internal Complaints Committee. The Commission took suo motu cognizance of the allegations. Why the JNU Internal Complaints Committee remained silent on this matter is a mystery. This is both a mystery and an irony, as the committee is chaired by a female professor. Congress and Left leaders, along with the student organizations of these parties, are maintaining silence on this issue, and a section of the media also seems to be avoiding discussing it. Clearly, this issue does not suit their agenda. A similar case is the Supreme Court's withdrawal of all FIRs filed against those responsible for the violence during the Cockroach Janata Party's Parliament March.The Supreme Court pardoned all except those with criminal pasts. Everyone expressed satisfaction with this decision. No one questioned how the Supreme Court knew that only those with criminal pasts committed the violence. What does this show? It reveals the power of the narrative-building ecosystem. This ecosystem dominates the country, operating like an industry to give a specific direction to an issue of its choice or establish a particular ideology, thus influencing people's thinking.

होमगार्ड भर्ती की दौड़ में अभ्यर्थी की मौत: अचानक बेहोश होकर गिरा शिवम, बीटेक की पूरी की थी पढ़ाई

मुरादाबाद में होमगार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान बरेली निवासी शिवम यादव अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मुरादाबाद में 9वीं वाहिनी पीएसी मैदान में चल रही होमगार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान शुक्रवार सुबह एक अभ्यर्थी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा।

अभ्यर्थी को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।उसकी पहचान शिवम यादव पुत्र विनोद यादव निवासी राजपुर कला, मणिनाथ कॉलोनी बरेली निवासी के तौर पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे दौड़ के दौरान शिवम अचानक बेहोश होकर गिर पड़े।भर्ती प्रक्रिया में मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।शिवम के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। उनके परिवार में पत्नी कोमल और तीन साल की बेटी है। बताया गया कि शिवम ने बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी और घर पर ही बच्चों को कोचिंग पढ़ाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया।जनपद के 9वीं वाहिनी पीएसी मैदान में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां चल रही होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) के दौरान एक अभ्यर्थी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। आनन-फानन में उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बरेली निवासी बीटेक पास शिवम यादव के रूप में हुई है, जो बच्चों को कोचिंग पढ़ाकर अपने परिवार का गुजारा कर रहा था।सुबह 8 बजे दौड़ के दौरान हुआ हादसा-जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह पीएसी मैदान में होमगार्ड भर्ती के लिए युवाओं की दौड़ कराई जा रही थी। करीब आठ बजे जब शिवम यादव दौड़ लगा रहा था, तभी अचानक वह गश खाकर जमीन पर गिर पड़ा।

भर्ती प्रक्रिया में मौजूद अधिकारियों और स्वास्थ्य टीम ने तुरंत तत्परता दिखाई और बिना कोई देरी किए उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने तक बहुत देर हो चुकी थी और जांच के बाद चिकित्सकों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया।बीटेक के बाद बच्चों को देता था कोचिंग-मृतक शिवम यादव (पुत्र विनोद यादव) मूल रूप से बरेली जिले की मणिनाथ कॉलोनी के राजपुर कला इलाके का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक, शिवम पढ़ने-लिखने में बेहद होनहार था। उसने बीटेक की डिग्री हासिल की थी। लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा शिवम घर का खर्च चलाने के लिए स्थानीय बच्चों को कोचिंग भी देता था। वह अपने सुनहरे भविष्य की उम्मीद लिए मुरादाबाद में होमगार्ड की भर्ती देखने आया था। पत्नी बेसुध, मासूम के सिर से उठा साया-शिवम की अचानक हुई मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे पत्नी कोमल और एक तीन साल की मासूम बेटी को रोता-बिलखता छोड़ गया है। सुहाग उजड़ने से पत्नी कोमल बेसुध है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। अधिकारियों ने शिवम के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी (शवगृह) में रखवा दिया है। घटना के बाद से भर्ती स्थल पर भी शोक का माहौल है और अन्य अभ्यर्थी भी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं।

महिला पर हमले के 36 घंटे बाद कांठ में तेंदुआ कैद, कराया गया मेडिकल, अब तक 16 पकड़े जा चुके

भरतपुर गांव में महिला पर हमले के करीब 36 घंटे बाद तेंदुआ वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। करीब पांच साल की मादा तेंदुए का डियर पार्क में मेडिकल परीक्षण कराया गया। वन विभाग ने स्पष्ट किया कि पहचान के अभाव में यह पुख्ता नहीं है कि यही तेंदुआ महिला पर हमले में शामिल था।भरतपुर गांव में बृहस्पतिवार को एक तेंदुआ वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। 36 घंटे पहले इसी गांव में तेंदुए ने एक महिला पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। वन विभाग का कहना है कि तेंदुओं की पहचान करना मुश्किल कार्य है। ऐसे में पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता कि यह वही तेंदुआ है जिसने एक दिन पहले महिला को घायल किया था।

15 सितंबर की शाम निर्वेश देवी (39) घास काट रही थीं। तभी अमर सिंह के गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने उन पर हमला कर घायल कर दिया था। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है और हालत में सुधार है। इसके बाद वन विभाग ने आसपास सघन सर्च अभियान चलाया, जिसमें ड्रोन से भी तेंदुए की लोकेशन ट्रेस की गई।कांठ, मुरादाबाद और ठाकुरद्वारा से टीमें भरतपुर में कैंप कर रहीं थीं। तेंदुए को पकड़ने के लिए दो पिंजरे लगाए गए थे। रेंजर राजेश कुमार शर्मा और डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम निगरानी कर रही थी। इस दौरान 17 सितंबर की सुबह तेंदुआ उसी स्थान पर पिंजरे में कैद हुआ, जहां उसने महिला पर हमला किया था।पकड़े गए तेंदुए की आयु करीब पांच वर्ष है और वह मादा है। डियर पार्क में चिकित्सकों ने उसका मेडिकल परीक्षण किया, जिसमें वह पूरी तरह स्वास्थ्य पाया गया। डीएफओ डॉ. विनय कुमार सिंह का कहना है कि अब तक 16 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं।क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा तेंदुओं का आतंक-कांठ क्षेत्र में लगातार तेंदुए दिखाई देने से लोगों में दहशत है। 16 सितंबर को कांठ के गांव रामसराय भंकरी में भी एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ था। इससे पहले 24 अगस्त को भी वन विभाग ने रामसराय से तेंदुए को पकड़ा था। पकड़े गए दोनों तेंदुए फिलहाल डियर पार्क में हैं और उन्हें कहां छोड़ा जाएगा, इस पर विचार चल रहा है।भरतपुर में तेंदुआ पकड़े जाने के बाद भी एहतियात के तौर पर वन विभाग का कैंप जारी है। वन दरोगा राजेंद्र सिंह ने बताया कि अभी एक पिंजरा भरतपुर में लगा है। इसके अलावा कांठ तहसील के सलेमपुर, पाइंदापुर, समंदपुर बुनियादपुर, शाहपुर अब्दुलबारी, दयानाथपुर और कासमपुर जैसे अन्य गांवों में भी पिंजरे लगाए गए हैं। 16 सितंबर की शाम छात्र रविकांत रॉय और विशेष रॉय ने भी सदरपुर से लौटते समय रास्ते में तेंदुआ देखा था।

8.90 करोड़ का बीमा, किराये का मकान और रहस्यमयी मौत: मुरादाबाद में संभल जैसे मर्डर फॉर क्लेम का शक!

मुरादाबाद में सलाउद्दीन की सड़क हादसे में मौत के बाद 8.90 करोड़ रुपये की बीमा पॉलिसियों पर टाटा एआईजी ने सवाल उठाए हैं। एसएसपी के आदेश पर पुलिस मामले की जांच कर रही है, जिसमें पैन कार्ड, जीएसटी और आयकर रिटर्न जैसे दस्तावेजों की पड़ताल शामिल है।2024 में शुरू कराई थी बीमा पालिसी, 30 दिसंबर 2025 को हो गई थी मौत-टाटा एआईजी चीफ मैनेजर ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर जांच की मांग उठाईबीमा के सालाना दो लाख रुपये भरते थे प्रीमियम, किराये के मकान में रहते थेबीमा पालिसी कराने के एक साल बाद सलाउद्दीन की सड़क हादसे में हुई मौत पर बीमा कंपनी ने सवाल खड़े कर दिए है। टाटा एआइजी के चीफ मैनेजर डा. आनंद बहादुर सिंह ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की जांच की मांग की है। सलाउद्दीन ने अलग-अलग कंपनियों से करीब 8.90 करोड़ रुपये की बीमा पालिसियां करा रखी थीं। इनमें आईसीआईसीआई लोम्बार्ड की 2.80 करोड़, मैक्स लाइफ की करीब 3.54 करोड़, टाटा एआईजी की एक करोड़, निवा बूपा की एक करोड़ और बजाज लाइफ की 16.50 लाख रुपये की पालिसी शामिल है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि शिकायती पत्र पर जांच के आदेश दिए गए है।जिगर कालोनी निवासी सलाउद्दीन की 30 दिसंबर को भोजपुर क्षेत्र में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। वह बाइक पर सवार थे और बोलेरो ने टक्कर मार दी थी। सलाउद्दीन ने वर्ष 2024 में टाटा एआइजी से बीमा पालिसी शुरू कराई थी। अलग-अलग कंपनियों में बड़ी धनराशि की पालिसियां होने की जानकारी सामने आने के बाद उनकी मौत कैसे हुई इस पर शक जाहिर किया है। बीमा कंपनी ने सलाउद्दीन के दस्तावेजों को लेकर भी सवाल उठाए हैं।वर्ष 2019 में बनवाए गए उनके पहले पैन कार्ड में हस्ताक्षर की जगह अंगूठा लगाया गया था। इसके बाद दोबारा बनवाए गए पैन कार्ड में हस्ताक्षर किए गए। बीमा कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में भी हस्ताक्षर से संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है। बताया गया है कि सलाउद्दीन किराये के मकान में रहते थे। परिवार में पत्नी नगमा और तीन बच्चे हैं। खास बात यह है कि पत्नी को भी पति के नाम पर कराई गई सभी बीमा पालिसियों की जानकारी नहीं थी। जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि सलाउद्दीन ने बीमा पालिसियां लेने से कुछ दिन पहले ही जीएसटी पंजीकरण कराया था।बीमा कराने से करीब एक वर्ष पहले से वह आयकर रिटर्न दाखिल कर रहे थे। पुलिस अब जीएसटी पंजीकरण, आयकर रिटर्न, बैंक खातों, बीमा पालिसियों और हादसे से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि इतनी बड़ी धनराशि की बीमा पालिसियां किस उद्देश्य से कराई गई थीं और उनके प्रीमियम का भुगतान किस स्रोत से किया जा रहा था। सलाउद्दीन की पत्नी नगमा ने बताया कि मेरे पति की सड़क हादसे में मौत हुई थी।संभल में खुला था 100 करोड़ के बीमा फर्जीवाड़े का नेटवर्क संभल में बदायूं के दरियाब, संजय, दिल्ली निवासी अमन और सलीम की हत्या करने के बाद उनकी मौत को हादसे का रूप देने के बाद बीमा क्लेम की धनराशि हड़पने के बाद शुरू हुई जांच में 100 करोड़ रुपये के बीमा फर्जीवाड़े का नेटवर्क सामने आया था।पुलिस की जांच में 18 जनवरी 2025 की रात रजपुरा क्षेत्र में संदिग्ध स्कार्पियो की जांच से शुरू हुई कार्रवाई ने बीमा फर्जीवाड़े के अंतरराज्यीय नेटवर्क की परतें खोल दीं थी। पुलिस ने वाराणसी निवासी ओंकारेश्वर मिश्रा उर्फ करण को गिरफ्तार किया तो उसकी कार से 11.44 लाख रुपये नकद और बीमा व मृत्यु प्रमाण पत्रों से जुड़े दस्तावेज मिले। इसके बाद जांच आगे बढ़ी और मरणासन्न व मृत लोगों के नाम फर्जी पालिसी कराने, फर्जी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर क्लेम हड़पने का खेल सामने आया। नेटवर्क के तार उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली-एनसीआर समेत 12 राज्यों तक मिले।अब तक करीब 74 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं और 27 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। जांच में बीमा क्लेम के लिए हत्या कर उसे हादसा दिखाने के मामले भी सामने आए।गिरोह के सरगना ओंकारेश्वर मिश्रा, बबराला निवासी सचिन शर्मा उर्फ मोनू और उसके भाई गौरव शर्मा की अपराध से अर्जित करीब 11 करोड़ 89 लाख 51 हजार रुपये की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की जा चुकी है। जांच में आशा कार्यकर्ताओं, बैंक कर्मचारियों, जनसेवा केंद्र संचालकों और बीमा सत्यापन से जुड़े लोगों की भूमिका भी सामने आई थी।

'Gen Z को गलत बात पर डांट भी नहीं पा रहे माता-पिता, कुमार विश्वास के भाई प्रो. विकास शर्मा बोले- स्थिति दुखद

प्रो. विकास शर्मा ने मुरादाबाद में जेन जी से संवाद किया और विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार व शिक्षा नीति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि माता-पिता जेन जी को गलत बात पर डांट नहीं पा रहे हैं, जिससे स्थिति दुखद और घातक हो रही है।अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं साहित्यकार कुमार विश्वास के छोटे भाई प्रोफेसर विकास शर्मा आईएफटीएम विश्वविद्यालय पहुंचे। उन्होंने जेन जी से संवाद किया। इसके बाद वह गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी से भी मिले।

दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने अपने चर्चित उपन्यास आल हर फायर पर विस्तार से चर्चा की। विकास चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में अंग्रेजी के प्रोफेसर हैं।

प्रो. विकास शर्मा ने कहा कि जेन जी की अपार ऊर्जा को सही दिशा देने की आवश्यकता है। यह कार्य पुरानी पीढ़ी को मिलकर करना होगा। उन्होंने कहा कि माता-पिता जेन जी को गलत बात पर डांट तक नहीं पा रहे हैं।शिक्षक भी समाज के दबाव के कारण समझाना बंद कर चुके हैं। अब राजनीतिक दल भी वोट की खातिर जेन जी के तुष्टीकरण की प्रतियोगिता में लगे हैं। यह स्थिति घातक और दुखद है।

अब तक एक दर्जन से अधिक उपन्यास लिख चुके प्रो. विकास शर्मा ने बताया कि उनका नवीनतम उपन्यास विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार, कुलपतियों की नियुक्ति में पारदर्शिता का अभाव, विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों के हस्तक्षेप और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कारण शिक्षकों के बाबू में बदलने जैसी स्थितियों को बयां करता है। उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों की घटती उपस्थिति को भी चिंता का विषय बताया।प्रो. विकास शर्मा प्रसिद्ध साहित्यकार कुमार विश्वास के भाई हैं। वह अंग्रेजी शिक्षकों के राष्ट्रीय संगठन इंग्लिश स्टडीज ऑफ इंडिया के महामंत्री भी हैं। प्रो. विकास शर्मा के अब तक दर्जनों उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें आई एस टुडे, सना, हनी ट्रैप और मीडिया रिवाल्यूशन 2030 प्रमुख हैं। उन्होंने राह के पत्थर उपन्यास भी लिखा है, जो हिंदू-मुस्लिम एकता पर आधारित है और जिसकी पृष्ठभूमि मुरादाबाद है।

संक्षिप्त समाचार

मण्डलायुक्त ने विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

सद्भावना मंडप जल्द शुरू कराने के निर्देश, ट्रांजिट हॉस्टल की कमियां दुरुस्त करने को कहा मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने गुरुवार को जनपद में एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की 02 परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सद्भावना मंडप (सांस्कृतिक सद्भावना केंद्र) और पुलिस लाइन स्थित जी+12 ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता देखी। मण्डलायुक्त ने 92 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सद्भावना मंडप को शीघ्र कार्यशील कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन में कोई ऐसा प्रावधान है, जिससे केंद्र के संचालन में बाधा आ रही है तो संबंधित स्तर पर पत्राचार कर उसका समाधान कराया जाए।पुलिस लाइन में 27.34 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित लागत से बन रहे ट्रांजिट हॉस्टल के निरीक्षण में भवन के कुछ हिस्सों में पुट्टी निकलने और अन्य निर्माण सामग्री के मानकों से संबंधित कमियां सामने आईं। मण्डलायुक्त ने कमियों को तत्काल दुरुस्त कराने तथा आगणन के अनुसार निर्धारित गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए परियोजनाओं को समय से पूरा कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान जिलाधिकारी श्री अजय कुमार द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी श्री गुलाब चंद्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली कटौती से नाराज लोगों ने बिजलीघर में किया हंगामा, कर्मचारियों से अभद्रता, लगाया ताला

मिलक। पिपला शिव नगर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर बुधवार रात कुछ लोगों ने हंगामा कर बिजली कर्मचारियों के साथ अभद्रता की। आरोप है कि कर्मचारियों को धमकाकर बिजलीघर से बाहर निकालने के बाद उपकेंद्र पर ताला लगा दिया गया।इससे करीब एक घंटे तक क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रही। मामले में बिजलीघर के अवर अभियंता रजनीश कुमार ने मिलक कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।पुलिस को दी तहरीर में जेई ने बताया कि बुधवार रात करीब 10 बजे बिजलीघर पहुंचे। आरोप है कि वहां तैनात एसएसओ हरिमोहन और लाइनमैन अजय के साथ गाली-गलौज और अभद्रता की गई। इसके बाद दोनों कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देते हुए बिजलीघर से बाहर निकाल दिया गया।जेई ने बताया कि आरोपियों ने बिजलीघर में ताला लगा दिया और वहां रखा फर्नीचर भी बाहर फेंक दिया। घटना के चलते बिजलीघर से जुड़े करीब 102 गांवों की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई। करीब एक घंटे बाद स्थिति सामान्य होने पर बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी।जेई ने तहरीर में सरकारी कार्य में बाधा डालने, विद्युत आपूर्ति बाधित करने और बिजली कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप में संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बिजलीघर के कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की गई है। बताते हैं कि लोग बिजली कटौती से नाराज थे। इसी को लेकर लोगों का गुस्सा भड़का था।सीओ पीपी सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली कर्मियों पर भाजपा नेता की पत्नी से अभद्रता का आरोप

स्वार। बिजली चेकिंग के दौरान भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला मंत्री ने बिजली कर्मियों पर अपनी पत्नी के साथ अभद्रता, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस को तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।जिला मंत्री शिशुपाल सिंह सागर ने बताया कि बृहस्पतिवार को बिजली निगम की टीम उनके घर पहुंची थी। आरोप है कि बिजली का बकाया होने की बात कहते हुए कर्मचारियों ने उनके घर का केबल काट दिया। जब उनकी पत्नी जग रोशनी ने इसका विरोध किया, तो बिजलीकर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। साथ ही, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। सीओ सोनम सिंह ने मामले की जानकारी कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मधुमक्खी पालन से महज 29 की उम्र में चमकी किस्मत, बरेली की पहली करोड़पति दीदी बनीं सुशीला देवी

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो /बरेली। मजबूत हौसले और सरकारी योजनाओं के सही इस्तेमाल से बहेड़ी ब्लॉक के ग्राम बड़ौरा की 29 वर्षीय सुशीला देवी ने इतिहास रच दिया है। वह बरेली जनपद की पहली 'लखपति से करोड़पति दीदी' बन गई हैं। सीमित संसाधनों से शुरू कर उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन को बड़े कारोबार में बदल दिया है। सुशीला देवी द्वारा संचालित हनी महिला स्वयं सहायता समूह से आज 17 महिलाएं सीधे जुड़ी हैं, जिनमें एक दिव्यांग महिला भी शामिल है। समूह का मासिक टर्नओवर करीब 2.5 लाख तक पहुंच चुका है।रकारी योजनाओं ने दी नई उड़ान शुरुआती पूंजी- समूह को रिवॉल्विंग फंड (RF) से 30,000 और सामुदायिक निवेश फंड से 1.50 लाख की मदद मिली। यूनिट की स्थापना: मुख्यमंत्री युवा उद्यम विकास योजना के तहत 3.50 लाख से 100 उन्नत बॉक्स, हनी प्रोसेसिंग व बॉटलिंग यूनिट लगाई गई। अगला लक्ष्य-केंद्र सरकार की मधु क्रांति योजना से ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है, जिससे कारोबार को राष्ट्रीय पहचान मिलेगी। कस्तूरबा के बाद अब परिषदीय स्कूलों में दस्तक समूह का शुद्ध शहद फिलहाल बरेली के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नियमित सप्लाई हो रहा है। इसके साथ ही समूह को नेशनल बी बोर्ड से लाइफटाइम मेंबरशिप और रजिस्ट्रेशन भी मिल चुका है। हाल ही में जिलाधिकारी ने समूह के काम की सराहना करते हुए जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में बुधवार को दूध के साथ शहद देने की संभावनाओं पर निर्देश दिए हैं, जिससे समूह की आय में और उछाल तय माना जा रहा है। कृषि आजीविका सखी के रूप में सुशीला देवी आज 50 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

कलेक्ट्रेट में सजी विकास की तस्वीर, योजनाओं के दम पर बदल रहा यूपी, सूचना विभाग की चित्र प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो /बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा भव्य चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन की नीतियों से सीधे रूबरू कराना है। अन्नदाताओं को मिला मजबूत संबल प्रदर्शनी के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में किसानों की समृद्धि के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं- सम्मान निधि- 3.12 करोड़ किसानों को मिला पीएम किसान सम्मान निधि का सीधा लाभ। गन्ना भुगतान व राहत- गन्ना किसानों को 3.25 लाख करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान और 16 लाख से अधिक किसानों के बिजली बिल माफ। फसल सुरक्षा व तकनीक- फसल बीमा योजना के तहत 6,120 करोड़ की क्षतिपूर्ति, 91 हजार से अधिक सोलर पंपों की स्थापना और 27 नवीन मंडियों का आधुनिकीकरण। रोजगार, कौशल और महिला सशक्तिकरण की उड़ान रोजगार व उद्योग विश्वकर्मा श्रम सम्मान से 4.43 लाख कारीगर लाभान्वित हुए। वहीं ओडीओपी (ODOP) के तहत 1,004 करोड़ की मार्जिन मनी से 3.26 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला। यूपी में 10 संत कबीर दास पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं।महिला उत्थान- 36,800 से अधिक स्वास्थ्य सखियां और 13,000 सूक्ष्म उद्यम सखियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए माता अहिल्याबाई होल्कर हॉस्टल की व्यवस्था की गई है। सूर्यघर योजना से अब तक 5.74 लाख से अधिक परिवार रोशन हो चुके हैं। प्रदर्शनी में महापुरुषों के नाम पर संचालित योजनाओं और जनपद के स्थानीय विकास कार्यों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर आम नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आपदा से निपटने को अलर्ट मोड में प्रशासन, LED स्क्रीन से होगी 24 घंटे निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। लेफ्टिनेन्ट जनरल योगेन्द्र डिमरी, मा. उपाध्यक्ष (मुख्य सचिव स्तर) ने कलेक्ट्रेट सभागार में डिजास्टर प्लानिंग स्टाफ के साथ बैठक कर आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नर्सिंग होम व शिक्षण संस्थानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और नियमित जांच सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा राहत के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम पर स्पष्ट बैनर लगाने, टोल फ्री नंबर संचालित करने तथा आपदा कक्ष में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लगातार निगरानी के निर्देश दिए। बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए वायरलेस फोन व सैटेलाइट संचार व्यवस्था दुरुस्त रखने को भी कहा। इसके बाद उन्होंने आपदा निबन्धक कार्यालय का निरीक्षण कर रंगाई-पुताई सहित आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह, नगर आयुक्त संजीव मौर्य, एडीएम (वि/रा) संतोष कुमार, सीएमओ डा. विश्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बीडीए ने लॉटरी से आवंटित किए 185 भूखंड, 120 करोड़ जुटाए

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली । विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजनाओं के 185 भूखंड आवंटित कर दिए हैं। लॉटरी सिस्टम से आवंटित इन भूखंडों के एवज में करीब 120 करोड़ का राजस्व मिला है। इन दोनों महत्वाकांक्षी आवासीय योजनाओं में घर बनाने की ख्वाहिश में करीब 1164 आवेदकों ने आवेदन किया था। भूखंड मिलने वालों की यकीनन लॉटरी लग गई है। एक आलीशान रिहाइशी इलाके में उनके सपनों का घर होगा। बीडीए ने भूखंड आवंटन के साथ अपनी आवासीय योजनाओं के विस्तार और औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की दिशा में मिलकर कदम आगे बढ़ाए हैं। इस दौरान बीडीए विकास संवाद में औद्योगिक प्रतिनिधियों ने मानचित्र स्वीकृति, प्लॉट के उप-विभाजन और तकनीकी जांच से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली योजना के रिक्त 185 भूखंडों के लिए 1164 आवेदकों ने पंजीकरण कराया था। शिविर में लॉटरी के माध्यम से सभी 185 भूखंडों का आवंटन किया गया। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय प्राधिकरण अफसरों के साथ मौजूद रहीं। पीलीभीत बाईपास योजना भी शानदार - बताया गया है कि बीडीए पीलीभीत बाईपास पर अब तक की सबसे बड़ी आवासीय योजना विकसित करने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, खेल स्टेडियम, पार्क, मॉल और अन्य सुविधाएं विकसित करने की योजना है। योजना की एयरपोर्ट और दिल्ली-लखनऊ हाईवे से बेहतर कनेक्टिविटी का भी प्रस्ताव है। बैठक में औद्योगिक भवनों, एमएसएमई, फ्लैटेड फैक्ट्री और डाटा सेंटर के प्रावधानों के साथ फायर एनओसी, एसटीपी-डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी, एविएशन सेफ्टी और पूर्णता प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों पर भी चर्चा हुई। बीडीए अधिकारियों ने कहा कि संवाद का उद्देश्य औद्योगिक परियोजनाओं में स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाओं को आसान और समयबद्ध बनाना है।

गणेश महोत्सव कार्यक्रम में जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। श्री गणेश पूजन समारोह समिति के तत्वाधान में आयोजित 36वें पांच दिवसीय गणेश महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष भूपेन्द्र नाथ वर्मा, कार्यक्रम संयोजक नरसू नायक, सहसंयोजक आदित्य सोम वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी के कर कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की भव्यता बढ़ाने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग निदेशालय के आदेशानुसार विभाग द्वारा पंजीकृत नव ज्योति नृत्य नाट्य संस्था व वीर विजय नृत्य नाट्य संस्था बरेली के निर्देशक हरजीत कौर व रवि प्रकाश सक्सेना के निर्देशन में पंजीकृत कलाकारों ने रोचक ढंग से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, समग्र शिक्षा अभियान, महिला हेल्पलाइन 181,1090,1098,112 जैसे बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा , स्वावलंबन पर आधारित नाटक बेटी रोशनी घर की का मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर भारी संख्या में उपस्थित जनमानस जागरूक किया।

सहयोगी कलाकारों में वरिष्ठ कलाकार कुमार संजय, चंचल लखनवी, बबलू, भोलानाथ सिंह, ऋषि रंजन, व गोपाल श्रीवास्तव, दीपक चौधरी, आकाश सक्सेना, प्रशांत सक्सेना, अतुल मौर्या, अंकुश सिंह, रिया तिवारी, सुमन प्रजापति, आशा दिवाकर को समिति अध्यक्ष भूपेन्द्र नाथ वर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के सफल समापन के उपरांत नव ज्योति नृत्य नाट्य संस्था व वीर विजय नृत्य नाट्य संस्था निर्देशक हरजीत कौर व रवि सक्सेना ने श्री गणेश पूजन समारोह समिति अध्यक्ष भूपेन्द्र नाथ वर्मा सहित समिति के समस्त पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया।

मझोला पुलिस ने वाहन चोरी गिरोह का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, 10 बाइक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/सैयद सिकंदर राजा / मुरादाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद सतपाल अंतिल के निर्देशन में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मझोला थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विपिन पुत्र रामअवतार सिंह निवासी ग्राम सेफपुरी खालसा थाना एचोड़ा कंबोह जनपद संभल तथा राशिद उर्फ नौशाद पुत्र कयामुद्दीन निवासी जिला मेरठ, वर्तमान निवासी ग्राम लिंडरपुर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी कर लाते थे और उनके रजिस्ट्रेशन नंबर, चेसिस नंबर व इंजन नंबर बदलकर बेच देते थे। आरोपियों ने चोरी की गई कई मोटरसाइकिलों को बेचने के उद्देश्य से अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखा हुआ था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बुलेट मोटरसाइकिल, एक टीवीएस अपाचे आरटीआर-180, एक हीरो एक्सपल्स तथा सात अन्य स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामदगी के आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

व्यापारियों पर प्रस्तावित MDR शुल्क के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने रोका मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो / बरेली। जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को यूपीआई के माध्यम से 2,000 से अधिक के भुगतान पर व्यापारियों से प्रस्तावित 0.5 प्रतिशत MDR शुल्क लिए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता धर्मकांटा स्थित पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कार्यालय पर एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव के विरोध में प्रदेश सरकार के मंत्री के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन/विरोध स्वरूप उपहार भेजने के लिए उनके आवास की ओर मार्च शुरू किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मार्च को रोकने के लिए प्रशासन ने भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। पुलिस द्वारा रास्ते में बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से आगे न जाने की अपील की, जिसके बाद कार्यकर्ता वहीं रुक गए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन दूसरी ओर व्यापारियों पर अतिरिक्त शुल्क का बोझ डालने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस व्यापारियों की आवाज उठाती रहेगी। प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने बताया की कांग्रेस नेताओं ने अध्यक्ष दिनेश दद्दा को हिरासत में लिए जाने की भी कड़ी निंदा की। नेताओं के मुताबिक, दिनेश दद्दा अगले दिन पार्टी के कार्यक्रम के लिए अनुमति लेने सीओ कार्यालय गए थे, जहां से उन्हें पकड़कर सैटेलाइट चौकी में बैठा लिया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विपक्षी दलों के कार्यक्रमों को रोकना और नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को विपक्ष की आवाज दबाने के बजाय जनहित से जुड़े सवालों का जवाब देना चाहिए। प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रवक्ता पंडित राज शर्मा, अनिल देव शर्मा, रमेश चंद्र मिश्रा, उल्फत कठेरिया, राजा राम साहू, आशीष साहू, विनोद कुमार, सुरेश दिवाकर, डॉ. हरीश गंगवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड से आ रही अफीम के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो /बरेली। परिक्षेत्र में नशे के सौदागरों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। झारखंड, पंजाब, असम से लेकर कई राज्यों तक यहां से मादक पदार्थों की सप्लाई हो रही है। कई राज्यों से नशे का सामान मंगाया भी जाता है। पिछले दिनों ही बरेली से पंजाब के पटियाला जा रही 50 किलो से ज्यादा डोडा की एक खेप पकड़ी गई थी। अब 6 किलो 350 ग्राम अफीम पकड़ी गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि ये अफीम झारखंड से बरेली लाई गई थी। यहां से इसे आगे सप्लाई किया जाना था। तस्कर की गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस नेटवर्क को ट्रेस करने में जुट गई है। ताजा मामला बरेली के भमेरा क्षेत्र का है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और भमोरा पुलिस के ज्वॉइंट ऑपरेशन में एक तस्कर पकड़ा गया है। आरोपी का नाम विशाल है, जोकि बिशारतगंज के सिसौना गांव का रहने वाला है

महाराजा अग्रसेन में 500 दीप जलाकर पीएम मोदी के दीर्घायु की कामना

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो /बरेली। प्रतिष्ठित 'महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि0), बरेली' के त्रैवार्षिक चुनाव-2026 शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। चुनाव में कुल 69 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के बाद घोषित परिणामों में अनिल कुमार अग्रवाल अध्यक्ष, प्रेम शंकर अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शशि भूषण अग्रवाल महामंत्री चुने गए। वहीं, पंकज अग्रवाल (श्री बांके बिहारी मोटर) निर्विरोध कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। अन्य प्रमुख पदों के परिणाम- उपाध्यक्ष (3 पद) गिरीश चंद्र अग्रवाल, रवि प्रकाश अग्रवाल और प्रकाश चंद्र अग्रवाल। मंत्री (3 पद) संजीव अग्रवाल, सुधांशु अग्रवाल और हरि प्रकाश अग्रवाल। कार्यकारिणी सदस्य (18 पद)= प्रेम शंकर अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, डॉ. नूपुर गोयल, बद्री विशाल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, अविनाशी लाल, संजीव औतार अग्रवाल, प्रेम प्रकाश , प्रीति , अशोक , सुबोध , दीपक अग्रवाल, रवि , पुनीत , दिनेश , अमित अग्रवाल एवं अनिल कुमार अग्रवाल विजयी रहे। ?परिणामों की घोषणा के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। ?इस अवसर पर %सेवा संकल्प दिवस% के तहत महाविद्यालय स्थित मंदिर प्रांगण में 500 दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना भी की गई।

बहराइच जमुनहा मार्ग पर बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती थाना मल्हीपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत हरिहरपुर महाराज नगर के निवासी खिरोधन प्रजापति पुत्र दुखी राम उम्र 46 वर्ष साइकिल से बच्चों को लेने जा रहे थे।

बहराइच जमुनहा मार्ग स्थित हरिहरपुर महाराज नगर स्कूल के पास खड़े हो गए थे तभी बदला की तरफ से आ रही अज्ञात मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी, जिससे खिरोधन गिर गए और गंभीर चोटें आईं। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया।

गाजे-बाजे और गुलाल के बीच गणपति प्रतिमा का विसर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। मोहल्ला माली में पांच दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव के बाद शुक्रवार को गणेश प्रतिमा का गाजे-बाजे और गुलाल के बीच धूमधाम से विसर्जन किया गया। इससे पहले सोमवार को आयोजक दिलीप मराठा ने पंडित पवन पांडेय से विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराकर प्रतिमा की स्थापना कराई थी।

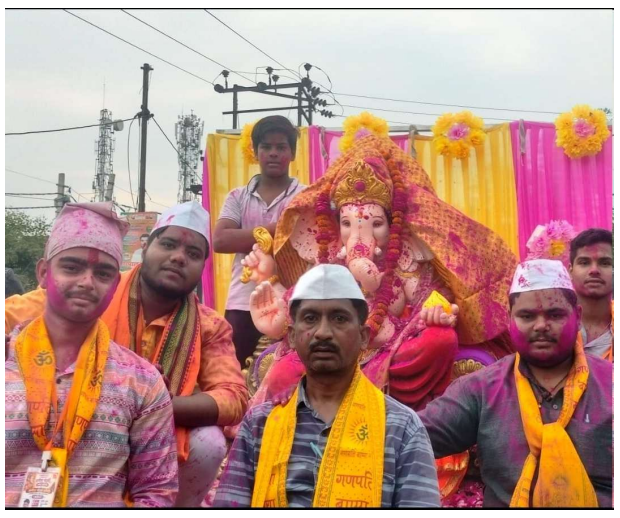

शुक्रवार को श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ प्रतिमा लेकर पिथुपुरा पहुंचे, जहां गंगा में विधि-विधान से प्रतिमा का विसर्जन किया गया। शनिवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान वरुण गुप्ता, गौरव गुप्ता, निखिल भारद्वाज, गोलू ठाकुर, गोलू पोरवाल, हिमांशु भारद्वाज, देवांश रस्तोगी, रितिक भारद्वाज, तुषार रस्तोगी, राजेश भारद्वाज, प्रफुल रस्तोगी, दिलीप मराठा, राम गुप्ता, राहुल गुप्ता, प्रदीप गर्ग, सुरेश गुप्ता, सुधीर पोरवाल, सुबोध पोरवाल, सौरभ गुप्ता, सुलर्भ गुप्ता, शंकर गुप्ता, आर्यन गुप्ता, सचिन गुप्ता और तनिश गुप्ता मौजूद रहे।

गांव की समस्याओं का गांव में ही हो समाधान, यही जन विश्वास अभियान का उद्देश्य - कलेक्टर श्री गुप्ता

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत विदिशा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पीपलखेड़ा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शमशाबाद विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा, विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शमशाबाद विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रही है। सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासनिक टीम गांव-गांव पहुंचकर क्लस्टर वार जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनके निराकरण की पहल की जा रही है। शेष आवेदनों पर भी निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। दस्तावेजों को अपडेट रखने की दी सलाह - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान गांव में ही करना है। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन की पूरी टीम ग्राम पंचायत पीपलखेड़ा में मौजूद है। उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा अपने आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं। साथ ही समग्र आईडी से संबंधित कार्य भी पूर्ण करा लें, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा कि सभी शासकीय दस्तावेजों में नाम एक समान दर्ज होना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र जन्म के बाद अस्पताल में ही बनवाएं अथवा एक-दो माह के भीतर ग्राम पंचायत या नगर पालिका से बनवा लें। बच्चों की नियमित उपस्थिति पर दिया जोर - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने ग्रामीण अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल एवं आंगनबाड़ी भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्कूल और आंगनवाड़ी में बच्चों की नियमित उपस्थिति से उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों बेहतर होंगे तथा वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू कलह का खौफनाक अंत: जहर खाने से युवक की मौत, पत्नी और परिजनों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा में घरेलू कलह के चलते एक युवक ने जहर खा लिया।हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल ले गए।इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।पत्नी ने परिजनों पर जहर खाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।वही परिजन झगड़ा करके मायके चले जाने से आहत होकर आत्महत्या का आरोप लगाया है।पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।पुलिस जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कस्बा के मोहल्ला साहूकारा निवासी जितेंद्र कुमार(26) ने घरेलू कलेश के चलते बृहस्पतिवार देर रात आत्महत्या के मकसद से घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया।हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाके के एक अस्पताल ले गए।जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शब कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पत्नी फूलवती रक्षाबंधन से मायके में थी।मौत की सूचना पर पहुंची फूलवती ने थाना में प्रार्थना देकर पिता और भाई पर जहर खाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।बताया कुछ दिन पहले पिता और भाई ने घरेलू झगड़े के चलते जितेंद्र को छेड़छाड़ के मामले में फ़साने का प्रयास किया था।जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली।वही पिता भीमसेन ने बताया पत्नी फूलवती लड़ झगड़ कर मायके चली गई थी।जिससे आहत होकर जितेन्द्र ने आत्महत्या कर ली।फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।जितेंद्र अपने पीछे रिया,देवांश, दिव्यांक को छोड़ गया है।सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पत्नी और परिजन एक दूसरे पर आत्महत्या को मजबूर करने का आरोप लगा रहे है।मामले की जांच कराई जा रही है।दोषी पक्ष पर कार्यवाही की जाएगी।

गणेश महोत्सव में घर-घर गूंज रहे गणपति बप्पा के जयकारे

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ । गणेश महोत्सव की धूमधाम लगातार जारी है। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालु भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। घरों में विराजमान गणपति की सुबह पूजा और हवन किया जा रहा है, जबकि शाम को विशेष आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है।सहसपुर की पापुलर कॉलोनी में सोनी सक्सेना और अनीता सक्सेना के घर गणपति की स्थापना की गई है। यहां प्रतिदिन पूजन, हवन, संकीर्तन और आरती का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ भगवान गणेश की आराधना कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। इधर गणेश महोत्सव सेवा समिति की ओर से नगर के श्री शंभूनाथ मंदिर में पारंपरिक गणेश महोत्सव मनाया जा रहा है। समिति के सदस्य सुबह गणपति पूजन करते हैं। रात्रि में धार्मिक झांकियों के साथ गणपति बप्पा के जयकारे लगाए जाते हैं। महोत्सव में श्रद्धालुओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। शिव मंदिर बच्चा बाग के पुजारी ताराचंद शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में भगवान गणपति को प्रथम पूज्य माना गया है। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। उनकी आराधना से विघ्न-बाधाएं दूर होने और कार्यों में सफलता मिलने की मान्यता है।

बसपा के सेक्टर स्तरीय कैडर कैंप में संगठन मजबूती पर जोर

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ । बहुजन समाज पार्टी की बिलारी विधानसभा क्षेत्र के भीड़वारी में सेक्टर स्तरीय कैडर कैंप का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पार्टी के जिला अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह एडवोकेट ने सेक्टर पदाधिकारियों के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रियता के साथ जुटने पर जोर दिया। ऋषिपाल सिंह एडवोकेट ने कहा कि कार्यकर्ताओं को पार्टी के निर्देशों के अनुरूप पूरी मेहनत और लगन से संगठन के विस्तार एवं मजबूती के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सेक्टर स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को

प्रभावी बनाने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। पूर्व मंडल कोऑर्डिनेटर अमर सिंह ने बहुजन समाज पार्टी की पूर्व में रही चार सरकारों और उनके कार्यकाल से संबंधित विषयों पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। उन्होंने पार्टी की नीतियों एवं संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध में भी कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष रनसिंह ने की तथा संचालन चरन सिंह भारती ने किया। इस दौरान विधानसभा महासचिव राम खिलाड़ी सिंह, विधानसभा सचिव निहाल सिंह, सेक्टर अध्यक्ष नेत्रपाल सिंह सहित सेक्टर के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

वंदे मातरम् के 150वें वर्ष पर विशेष आयोजन की तैयारी, विद्यार्थियों ने किया संपूर्ण गीत का सुलेख अभ्यास

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच/ । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश के निर्देशन में ग्राम भारती पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत संचालित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर रामपुर में वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा के निर्देशन में विद्यालय में विद्यार्थियों को संपूर्ण वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार 25 सितंबर को प्रातः 11 बजे देशभर के विद्या भारती से जुड़े शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिरों में एक साथ एक स्वर में संपूर्ण वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का गायन किया जाएगा। इसमें वर्तमान विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों, प्रबंध समिति के सदस्यों, पूर्व पदाधिकारियों, पूर्व आचार्यों तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों की सहभागिता प्रस्तावित है। आयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के एक साथ राष्ट्रगीत गायन का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में विद्यालय में विद्यार्थियों को संपूर्ण वंदे मातरम् गीत का शुद्ध उच्चारण और लेखन सिखाने के उद्देश्य से नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। गुरुवार को विद्यालय के सभी आचार्यों एवं दीदी की

देखरेख में प्रत्येक कक्षा में भैया-बहनों ने वंदना की पुस्तक के माध्यम से संपूर्ण वंदे मातरम् का सुलेख किया। विद्यार्थियों ने गीत को गुनगुनाते हुए शुद्ध एवं सुंदर लेखन का अभ्यास किया।

विद्यालय में करीब दो माह से संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का प्रतिदिन अभ्यास कराया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों में राष्ट्रगीत के प्रति समझ, अनुशासन और सहभागिता की भावना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुलेख अभ्यास में ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, उमेश कुमार, अनिल कुमार सागर, विजेंद्र सिंह, दिलीप कुमार, गौरव सिंह, संजय सिंह, सुनील कुमार सिंह, प्रेमपाल, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता और पूजा टैगोर सहित विद्यालय के आचार्यों एवं दीदी ने सहयोग किया।

श्रीराम कथा आज से, कलश यात्रा के साथ होगा शुभारंभ

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ । नगर के गन्ना समिति प्रांगण में शनिवार से सात दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ होगा। कथा के आयोजन को लेकर श्रीराम कथा आयोजन समिति की बैठक गन्ना समिति कार्यालय में हुई, जिसमें आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों को दायित्व सौंपे गए। समिति के अनुसार शनिवार को दोपहर तीन बजे गमा देवत मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। नगर के विभिन्न मार्गों से होकर कलश यात्रा झंडा चौक, रैली चौक और सराफा बाजार होते हुए गन्ना समिति प्रांगण पहुंचेगी। इसके बाद कथा स्थल पर श्रीराम कथा का शुभारंभ होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक चलेगी और 25 सितंबर को कथा का विश्राम होगा। कथा के दौरान महाराज अतुल कृष्ण जी श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराएंगे। उनके मुखारविंद से श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मर्यादा और धर्म से जुड़े प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आयोजन समिति ने नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं से कलश यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने तथा नियमित रूप से कथा श्रवण के लिए पहुंचने का

आह्वान किया है। बैठक में अयोध्या से आए हिमांशु सूर्यकांत त्रिपाठी सहित समिति के सदस्यों ने कलश यात्रा और कथा आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया। यात्रा मार्ग, श्रद्धालुओं की सहभागिता तथा कथा स्थल की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं। बैठक में प्रधानाचार्य शीतल प्रताप सिंह, अभिषेक राठौर, कौशल ठाकुर, दिनेश कुमार, अचिंत मुन्ना, नितिन डूडेजा, वीरपाल सिंह, अमित पाल, लवली यादव, संजय राणा, पंकज चौहान और मुकुल पांडे सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

उत्तम आर्जव धर्म का संदेश, मन-वचन-कर्म में एकरूपता पर दिया जोर

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत उत्तम आर्जव धर्म के अवसर पर श्रद्धालुओं ने बेदी में विराजमान प्रतिमाओं का प्रासुक जल से अभिषेक किया। श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

हुए। चंद्रप्रभु भगवान, चौबीसी भगवान, पार्श्वनाथ भगवान, सोलह कारण, दस लक्षण धर्म और पंचमेरु आदि की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सामूहिक आरती का आयोजन हुआ। धार्मिक प्रवचन में कौशल जैन ने उत्तम आर्जव धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य को कपटपूर्ण व्यवहार से बचना चाहिए। अपने मन, वचन और काय को एक रखना ही आर्जव धर्म का मूल भाव है। चंचल चित्त को रोकने और जीवन में सरलता बनाए रखने के लिए आर्जव का सहारा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में सरल और निष्कपट आचरण को आत्मशुद्धि का महत्वपूर्ण साधन माना गया है। उन्होंने बताया कि अरिहंत देव ने माया चारी से बचने की प्रेरणा दी है। एक बार कपटपूर्ण आचरण करने के कारण मृदुमती नाम के मुनिराज को तिर्यंच गति के दुख सहन करने पड़े थे। इसलिए मनुष्य को सदैव सरलता, सत्यता और निष्कपट भाव के साथ जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। पूजा-अर्चना में राकेश जैन, विनोद जैन, संजय जैन, राकेश कुमार जैन, अभिषेक जैन, प्रतीक जैन, शशांक जैन, अरिहंत जैन, रीता जैन, सीमा जैन, रेखा जैन, शिल्पी जैन, शगुन जैन, मिशिता जैन, आरव जैन, कल्पना जैन, गरिमा जैन, पावनी जैन, सुरभि जैन, लवी जैन, आर्यांश जैन और बर्णिका जैन सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिक्षकों की लंबित समस्याओं के निस्तारण की मांग, खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ । राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग, ब्लॉक बिलारी की ओर से शिक्षकों की विभिन्न लंबित सेवा संबंधी समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षकों ने लंबित प्रकरणों के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी

से विस्तृत वार्ता की। ज्ञापन में चयन वेतनमान, एरियर भुगतान, सेवा पुस्तिका, जीपीएफ पंजिका सहित अन्य सेवा संबंधी प्रकरणों के लंबे समय से लंबित होने का मुद्दा उठाते हुए उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की गई। शिक्षकों ने कहा कि प्रकरण लंबित रहने के कारण उन्हें विभिन्न स्तरों पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनके स्तर से संबंधित समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो प्रकरण उनके स्तर पर लंबित नहीं हैं, उन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। इस दौरान कार्यालय के बाबू विष्णु कुमार ने चयन वेतनमान एरियर के संबंध में बताया कि लेखा में बिल तैयार नहीं होने के कारण भुगतान में विलंब हो रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, ब्लॉक महामंत्री दिनेश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदर्श कुमार, मंत्री चंद्र प्रकाश सागर, प्रचार मंत्री अमित कुमार, संगठन मंत्री राजू सैनी, महबूब खान, नानकचंद, ठाकुर सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

विदिशा जिला समस्त तहसीलों एवं ग्राम पंचायतें के ग्रामों तक नटेरन, खैराई, बेलानारा ,में घर-घर हुए दीप प्रज्वलित

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विश्व के लोकप्रिय नेता एवं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस पर एवं सेवा संकल्प अभियान , नटेरन के शासकीय भवनों एवं मंदिरों ग्राम में घर-घर दीपक जलाए रहे नटेरन भाजपा मंडल महामंत्री संजय चौकसे ने श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 साल सफलता राजनीतिक दौड़ के बारे में विस्तृत रूप से बताया एवं ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं नशा से दूरी बनाने की सलाह दी ,और अनेक स्थानों पर दीप प्रज्वलित करवाए गए। इसी क्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत खैराई के पंचायत भवन स्कूल मंदिर और प्रधानमंत्री आवास कुटीर और बेलानारा में स्कूल मंदिर प्रधान मंत्री आवास सहित पुरे ग्राम में घर-घर दीपक जलाकर उत्तम स्वस्थ दीर्घायु की कामना की, जिसमें ग्राम पंचायत सरपंच शीला बाई के नेतृत्व में प्रतिनिधि अवतार सिंह गुड्डू रघुवंशी ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता अभियान एवं नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। सहायक सचिव बालकृष्ण विश्वकर्मा एवं कोटवार महेश सेन राजेंद्र जाटव एवं पप्पू साहू मूलचंद जाटव, रामफल , लक्ष्मण ,गेदाबाई, छोटीबाई ,मायावती अहिरवार ,किसन वंशकार आदि सभी ने दीप प्रज्वलित कर ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ जन्मदिन मनाया ।

1151 दीपों की रोशनी से जगमगाया मटेरा: धन्यवाद मोदी जी की रंगोली सजाकर दीर्घायु की कामना

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिहं/ बहराइच । आशीर्वाद का दिया% कार्यक्रम के तहत विधानसभा 284 मटेरा में एक भव्य और भव्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन संपन्न हुआ। हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ के मण्डल अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में यह कार्यक्रम ब्रह्मचारी बाबा कुट्टी, निमनिहारा चौराहे पर उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान 1151 दीप प्रज्वलित कर पूरा क्षेत्र भक्तिमय और प्रकाशमान हो उठा। इस अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए दीपों से आकर्षक रंगोली बनाकर धन्यवाद मोदी जी लिखा गया। इसके साथ ही, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष हवन-पूजन का आयोजन कर प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई ।कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, थाना नवाबगंज के पुलिस स्टाफ सहित हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों, माताओं और बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजक मनीष पाण्डेय ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सुंदर रंगोली बनाने वाली बहनों, दिन-रात मेहनत करने वाले हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ व बजरंग दल% के युवा कार्यकर्ताओं और उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रवासियों के इस एकजुट प्रयास और सहयोग से आने वाले समय में मटेरा विधानसभा की तस्वीर और हालात अवश्य बदलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गांव की गलियों में दोनों साइड नालियां नहीं बनने से शौचालय बंद है ग्राम से बाहर जाते है शौचालय खुले में

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ मध्य प्रदेश सरकार के दावे आदिवासी मोहल्ले में फेल नजर आ रहे हैं, विदिशा जिला के जनपद पंचायत नटेरन ग्राम पंचायत ज़ोहद ग्राम चक्क विलास आदिवासी मोहल्ला जहां ग्रामीणों ने बताया हमारे पूरे ग्राम में शौचालय अभी तक चालू नहीं हुए , जिसका कारण ग्राम की गलियों में दोनों साइड नली या नहीं बनी हुई है। एवं वाहनों ट्रैक्टर आदि निकलने वाली गालियां अभी तक पक्की नहीं बनी जिम कच्चे रास्ते के कारण वहां भी नहीं निकाल पाते एवं ग्रामीणों ने बताया आंगनबाड़ी केंद्र भी ग्राम में है लेकिन बिल्डिंग शासकीय अभी तक नहीं बनी हुई है यहां शासकीय प्राथमिक शाला ही है जिसमें लगभग 50 बच्चे पढ़ते हैं स्कूल के आसपास ही कीचड चार घास उगता नजर आ रहा है, यह सब जानकारी ग्रामीणों के द्वारा बताई गई रघुवीर सिंह राजपूत ,समनमान सिंह आदिवासी,श्यामलाल आदिवासी, सुरेश आदिवासी ,जगन्नाथ आदिवासी, रूप सिंह आदिवासी, लाल सिंह आदिवासी, आदि अनेक ग्रामीणों ने समस्या से अवगत कराया गया, एवं शासन प्रशासन से उनके मोहल्ले में शौचालय एवं ग्राम में पक्की गलियां मैं दोनों साइड नालियां बनवाने की प्रमुख मांग है सीसी करवाने की मांग की है।

बरखेड़ा मे वाहन चेकिंग को लेकर भरे मंच से विधायक ने कोतवाल को लगाई फटकार, वीडियो वायरल

♦ व्यापारी की शिकायत पर नाराज हुए बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, मंच से बोले-यह सब बंद कीजिए, वरना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम/ पीलीभीत/बरखेड़ा। जिले के बरखेड़ा कस्बे से पुलिस की वाहन चेकिंग को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। धार्मिक मेले के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद ने मंच से ही बरखेड़ा कोतवाल को जमकर फटकार लगाई। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में विधायक स्वामी प्रवक्तानंद वाहन चेकिंग अभियान को लेकर नाराजगी जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक व्यापारी की ओर से वाहन चेकिंग को लेकर शिकायत किए जाने के बाद विधायक ने सार्वजनिक मंच से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। यह सब बंद कीजिए, वरना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विधायक पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए सख्त लहजे में वाहन चेकिंग को लेकर नाराजगी जाहिर करते सुनाई दे रहे हैं। वीडियो में विधायक यह कहते हुए भी दिखाई दे रहे हैं कि यदि उनका विधायक ईमानदार है

और वह किसी पुलिसकर्मी की चाय तक नहीं पीते, तो पुलिसकर्मियों की इस तरह की कार्रवाई की हिम्मत कैसे पड़ती है। विधायक ने मंच से कथित तौर पर यह भी कहा कि यह सब बंद कीजिए, वरना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। विधायक के इस तेवर के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि मामला बरखेड़ा क्षेत्र के गाजीपुर तिराहे पर चल रही वाहन चेकिंग से जुड़ा है। यह मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है और दो जिलों की सीमा को जोड़ने वाले रास्तों में शामिल है। ऐसे में यहां पुलिस की चेकिंग का उद्देश्य यातायात व्यवस्था के साथ-साथ अपराध नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखना भी हो सकता है। हालांकि, वायरल वीडियो में विधायक की नाराजगी का केंद्र वाहन चेकिंग के दौरान आम लोगों और व्यापारियों को हो रही कथित परेशानी बताई जा रही है। इस संबंध में पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी बाकी है। वायरल वीडियो ने खड़े किए कई सवाल विधायक द्वारा सार्वजनिक मंच से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए जाने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वीडियो में विधायक का सख्त रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। एक तरफ पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान कानून-व्यवस्था और यातायात नियमों के पालन के लिए जरूरी है, वहीं दूसरी ओर यदि चेकिंग के दौरान आम नागरिकों या व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी होने की शिकायत सामने आती है तो उस पर अधिकारियों द्वारा स्थिति स्पष्ट किया जाना भी महत्वपूर्ण है। फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वीडियो कब और किस धार्मिक मेले के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान बनाया गया, इसकी भी आधिकारिक पुष्टि पुलिस अथवा प्रशासन की ओर से नहीं की गई है। मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक मंच से पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की है। अब देखना होगा कि वाहन चेकिंग को लेकर उठी शिकायत पर पुलिस अधिकारी क्या स्पष्टीकरण देते हैं और क्या कोई जांच या कार्रवाई होती है

प्रेमिका के घर बुलाने पर रस्सी से गला घोंटकर पप्पू की हत्या, शव कट्टे में भरकर झाड़ियों में फेंका

♦मृतक का फाइलफोटो

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भुता। थाना भुता क्षेत्र में पप्पू (40) की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपित राजा उर्फ रियाज की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित ने पूछताछ में बताया कि 11 सितंबर की रात नरगिस के घर पर पप्पू की रस्सी से गला घोंटकर हत्या की गई। इसके बाद शव को हरे रंग के कट्टे में भरकर मोटरसाइकिल से मिर्जापुर भट्ठे के पास नहर की झाड़ियों में फेंक दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बताई जा रही मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार के मुताबिक, पप्पू की पत्नी नरगिस ने 15 सितंबर को पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अगले दिन 16 सितंबर को उसने राजा उर्फ रियाज पुत्र सलीम निवासी फैजनगर के खिलाफ पति की हत्या किए जाने की तहरीर दी। पुलिस ने राजा उर्फ रियाज को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करता रहा। कड़ी पूछताछ के बाद उसने घटना के संबंध में जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक के अनुसार राजा उर्फ रियाज ने पूछताछ में बताया कि 11 सितंबर की रात वह नरगिस के घर पहुंचा था। उसके कथन के अनुसार नरगिस ने पप्पू के पैर पकड़े और इसके बाद रस्सी का फंदा डालकर उसकी हत्या कर दी गई। शव को हरे रंग के कट्टे में भरकर मोटरसाइकिल से मिर्जापुर भट्ठे के पास नहर की झाड़ियों में फेंक दिया गया।

आरोपित की निशानदेही पर पुलिस पप्पू की पत्नी नरगिस और राजा उर्फ रियाज को लेकर बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां झाड़ियों से शव बरामद किया गया। सूचना पर फील्ड यूनिट की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक राजा उर्फ रियाज ने नरगिस से करीब चार वर्ष से प्रेम संबंध होने की बात भी बताई है। मामले में पुलिस हत्या के कारणों और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

मृतक पप्पू पुत्र सुल्तान चार भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी उम्र करीब 40 वर्ष थी। वहीं राजा उर्फ रियाज पुत्र सलीम की उम्र करीब 25 वर्ष है और वह अविवाहित है। पुलिस की कार्रवाई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सर्प के डसने से इलाज के दौरान युवक की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना मल्हीपुर क्षेत्र के राम पंचायत पटना के मजरा बीरगंज बाजार निवासी 30 वर्षीय कुलदीप गुप्ता पुत्र राम फेरन अपने मासूम बच्चे के साथ घर के सामने चारपाई पर मच्छरदानी लगा कर सो रहा था कि अचानक चारपाई के ऊपर चढ़कर विषैले सर्प ने डस लिया। ओर चारपाई पर बैठा रहा। सर्प के काटते ही कुलदीप को बेचौनी होने लगी। शोर सुनकर इकट्ठा हुए पड़ोसियों के द्वारा सर्प को पीट-पीटकर मार डाला और गंभीर रूप से घायल कुलदीप को सीएससी मल्हीपुर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होता देख संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा के लिए रेफर किया। वहां भी चिकित्सकों ने हालात में सुधार होता ना देख ट्रामा सेंटर बहराइच के लिए रेफर किया। जहां इलाज के दौरान कुलदीप की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद चिकित्सकों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दी। पीएम के बाद शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। जहां देर शाम अंतिम संस्कार किया गया।

शिक्षक संघ ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का किया स्वागत, बीईओ ने पदाधिकारियों को माला पहनाकर किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भोजीपुरा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, भोजीपुरा के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को नवागत खंड शिक्षा अधिकारी श्री सुनील कुमार शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। संगठन की ओर से पदाधिकारियों ने बुके भेंट करने के साथ ही शॉल ओढ़ाकर बीईओ का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी महोदय श्री सुनील कुमार शर्मा ने एक अनूठी एवं आत्मीय पहल करते हुए स्वयं संगठन के सभी पदाधिकारियों को फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया। उनके इस व्यवहार ने उपस्थित शिक्षकों के बीच विशेष प्रभाव छोड़ा।बीईओ महोदय ने कहा कि मैं भी इसी विभाग का हिस्सा हूं और आप सभी मेरे परिवार जैसे हैं। इसलिए इस तरह मेरा स्वागत करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उनके आत्मीय संबोधन से विभाग और शिक्षक संगठन के बीच सौहार्द एवं सहयोग की भावना को मजबूती मिली।शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने नवागत बीईओ को विश्वास दिलाया कि शिक्षक हितों के साथ-साथ विभागीय कार्यों में भी संगठन सकारात्मक सहयोग की भूमिका निभाता रहेगा।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष ललित , अशोक , ब्लॉक अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह गुर्जर, मंत्री सिंकुल गंगवार, कोषाध्यक्ष मुकेश , वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरजीत , महिला उपाध्यक्ष वर्तिका रानी, उपाध्यक्ष उमेश ठाकुर, नितिन , संगठन मंत्री सोमपाल , उमा शंकर, कौशलेंद्र , प्रचार मंत्री विजेन्द्र पाल, अतुल श्रीवास्तव अल्पना सिंह, रिचा अग्रवाल, ऋतु सिंह, कामता प्रसाद सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे

सड़क पर अतिक्रमण कर बनाई गई दीवार को प्रशासन द्वारा जेसीबी से हटवाया

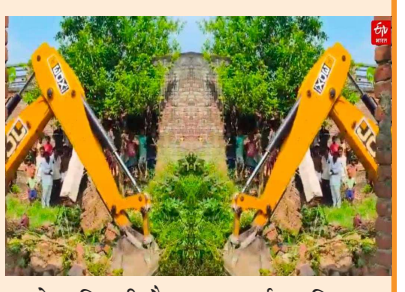

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- जनपद के भिनगा तहसील क्षेत्र के ग्राम खैरी कला में मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर बनाई गई करीब तीन फीट ऊंची दीवार को प्रशासन ने जेसीबी से ध्वस्त करा दिया. ग्रामीणों की शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे लेखपाल ने भूमि की पैमाइश कराई. अतिक्रमण की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई लेखपाल जयंत सिंह के अनुसार, ललईपुरवा निवासी राम अभिलाख पुत्र रामधीरज पर गांव के मुख्य मार्ग की जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराने का आरोप था. ग्रामीणों की कहना था कि राम अभिलाख ने रास्ते पर नींव भरकर करीब ढाई फीट ऊंची दीवार बना ली है. इससे रास्ता संकरा हो गया है, जिससे ग्रामीणों व राहगीरों को आने-जाने में परेशानी हो रही है. गांव के लोगों ने इसकी शिकायत प्रशासन से की. शिकायत मिलने के बाद हल्का लेखपाल जयंत सिंह मौके पर पहुंचे और संबंधित भूमि की पैमाइश कराई. पैमाइश के दौरान मुख्य मार्ग की भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने के बाद जेसीबी मंगाकर मौके पर बनी दीवार को हटवा दिया. अतिक्रमण हटाए जाने के बाद मुख्य रास्ता दोबारा आवागमन के लिए खुल गया. इससे ग्रामीणों को राहत मिली है. ग्रामीणों ने सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटाए जाने पर प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की. ग्रामीणों ने बताया कि रास्ता बाधित होने से रोजमर्रा की आवाजाही में दिक्कत हो रही थी और विवाद की स्थिति भी बन रही थी. प्रशासन की कार्रवाई के बाद से अब मुख्य मार्ग से निकलना आसान हो गया है.

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा एवं आपदा प्रबंधन में गायत्री गैस लिमिटेड, इकौना में फायर मॉक ड्रिल आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती - आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने, बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों को परखने तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा एवं आपदा प्रबंधन, भिनगा-श्रावस्ती के संयुक्त तत्वावधान में गायत्री गैस लिमिटेड, इकौना में भूकंप, औद्योगिक रासायनिक आपदा एवं अग्नि सुरक्षा विषयक संयुक्त फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान संभावित आपदा की परिस्थितियों का कृत्रिम रूप से सृजन कर आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव एवं राहत कार्य, अग्निशमन, घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार तथा विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय का व्यावहारिक अभ्यास किया गया। संबंधित टीमों ने निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप तत्परता एवं समन्वित कार्रवाई का प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान आपदा की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग, प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव कार्यों को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने का अभ्यास किया गया। साथ ही, विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों के बीच संचार, समन्वय और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का भी परीक्षण किया गया। इस संयुक्त मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में जान-माल की क्षति को न्यूनतम करना, आपदा प्रबंधन तंत्र को सुदृढ़ बनाना तथा संबंधित एजेंसियों की तैयारियों एवं कार्यक्षमता को परखना रहा। इस प्रकार के नियमित अभ्यास वास्तविक आपदा के समय प्रभावी एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त अभ्यास में उप जिलाधिकारी इकौना श्री रवेंद्र कुमार, संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा के चिकित्सक डॉ. अरविंद कुमार, फायर ब्रिगेड भिनगा के प्रभारी उप निरीक्षक अजेंद्र सिंह, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा से निरीक्षक मनीष चौधरी सहित एसएसबी के जवान एवं विभिन्न संबंधित विभागों के कार्मिक उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के माध्यम से सभी संबंधित एजेंसियों ने आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई, प्रभावी बचाव एवं राहत कार्य तथा आपसी समन्वय की क्षमता का प्रदर्शन किया। संयुक्त अभ्यास से आपदा के समय बेहतर तैयारी एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए सभी संबंधित एजेंसियों की कार्यक्षमता को और मजबूत करने में सहायता मिली।

If you have a sore throat, try these remedies immediately.

If you're experiencing a sore throat due to the changing weather, try some home remedies. They may provide relief. Our throats are one of the first to be affected by changing weather. Due to hot and cold winds, dust, and infections, sore throats, pain, and irritation become common. Sometimes, this problem becomes so severe that speaking and swallowing become difficult. In such situations, people immediately resort to medication, but some simple home remedies can provide significant relief. Home remedies are not only safe but also have no side effects. If taken promptly, a sore throat can be cured quickly. So, let's share some of these remedies. Gargle with salt water - Salt has antiseptic properties that help eliminate bacteria in the throat. Gargling 2-3 times a day provides quick relief from throat irritation, pain, and inflammation. Make sure the water isn't too hot, as it could harm the throat. Honey and Ginger - A mixture of honey and ginger is very beneficial for sore throats. Honey forms a protective layer on the throat, reducing irritation and dryness. Ginger has antibacterial and anti-inflammatory properties that help fight infection. Taking ginger juice mixed with a teaspoon of honey 2-3 times a day provides relief. Turmeric Milk - Turmeric has natural antibiotic and anti-inflammatory properties that reduce throat infections and inflammation. Drinking half a teaspoon of turmeric mixed with a glass of warm milk before bed provides relief to the throat. It also boosts immunity. This remedy is also beneficial for coughs and colds. Steam Inhalation - Steam inhalation is extremely beneficial for the throat and respiratory system. It reduces throat inflammation and clears blocked noses, making breathing easier. If desired, you can add eucalyptus or carom seeds to the steam. Taking steam 1-2 times a day provides quick relief. Drinking warm water- Drinking lukewarm water keeps the throat moist and reduces dryness. It also loosens the mucus accumulated in the throat and provides relief from pain. Drinking warm or lukewarm water throughout the day while avoiding cold water or beverages is very helpful in sore throat. Tulsi decoction- A decoction made from basil, black pepper and ginger is an effective home remedy for sore throat and infection. Its antibacterial and antioxidant properties increase the body's immunity. Consuming it 1-2 times a day provides quick relief from throat pain and cough.

This special salt will bring back dry plants.

Adding the right amount of Epsom salt (magnesium sulfate) to plants can help them grow greener faster. It helps improve plant growth, leaf greenness, and flower quality. If your houseplants are gradually wilting or their leaves are turning yellow, it's certainly a cause for concern. Often, people provide adequate water and sunlight, yet their plants fail to thrive. This is often due to a lack of essential nutrients in the soil, which we often overlook. According to gardening experts, plants need not only water but also proper nutrition from time to time. In this regard, a special type of salt—Epsom Salt—is considered very beneficial. It's rich in magnesium and sulfur, essential elements for plant growth. If used correctly, even dry and weak plants can become lush and healthy again. In this article, we'll explain what this salt is, how to use it, and what precautions you should take to ensure your plants remain thriving. What is Epsom salt? Epsom salt is a mineral compound containing magnesium and sulfate. It helps plants produce chlorophyll, keeping leaves green and strong. How to use it on plants? Mix 1 teaspoon of Epsom salt in a liter of water. Pour this water on plants 1-2 times a month. This provides essential nutrients. For which plants is it most beneficial? Tomatoes, peppers, roses, and money plants – these plants show rapid growth with Epsom salt. Be careful when using it: don't use too much and avoid applying it weekly. Use only as needed for soil growth. What else can you do for better growth? Water on time, ensure adequate sunlight is available, and keep dry leaves away. These simple tips help keep plants healthy.

Your rotis will stay soft for hours, follow these simple tips.

To keep rotis soft for a long time, it's essential to knead the dough properly, bake them correctly, and store them in an airtight container. Applying ghee and wrapping them in a cloth keeps them soft. Roti is a staple in Indian cuisine, but it's common to see rotis harden quickly. Especially when preparing them in advance, keeping them soft is crucial for children's lunch or for traveling. Hard and dry rotis not only spoil the taste but also make them difficult to chew. Many people think it depends solely on the quality of the flour, but in reality, there are many small kitchen secrets behind keeping rotis soft. The method of kneading the dough, the correct proportion of water, and the rolling and baking techniques all play a role in keeping rotis soft. If you want your rotis to remain soft and tasty for a long time, you'll need to follow some simple yet effective tips. In this article, we'll share five essential tips that will keep your rotis soft for hours. The right way to knead dough: To make rotis, knead the dough with lukewarm water. Be careful not to knead the dough too hard. A soft dough is the prerequisite for soft rotis. Be sure to let the dough rest for 15-20 minutes after kneading. This sets the gluten, making the rotis softer. Toast the dough properly: Don't leave the rotis on the pan for too long. Cook on a medium flame. Overcooking can make them tough. Apply ghee or butter: Apply a light layer of ghee after making the rotis. This helps keep them moist for hours. Store them properly: Wrap the rotis in a cloth. Use an airtight container. This keeps the rotis soft for a long time.

A new 7-episode series has arrived to take over OTT platforms, a scam thriller that tells the story of an illegal scam.

A new web series has recently been streamed online on OTT platforms. The new web series, based on the railway ticket scam, is based on the railway ticket scam. Another new web series has arrived to create a stir on OTT platforms. Fans have been waiting for its release for a long time, and now it's here to entertain them. This 7-episode web series is a scam thriller that depicts the story of a railway ticket scam worth crores. So, let's find out which new web series is being discussed in this article and which OTT platform it will be available on. This new OTT series, starring Mirzapur's Munna Bhaiya, played by actor Divyendu Sharma, is in the lead role. The series is titled "Waiting Hai." Yes, starting today, Waiting Hai is streaming online on the OTT platform Amazon Prime Video. It can also be viewed on MX Player. Besides Divyenndu, the series also stars Bhuvan Arora, Harshita Gaur, Kumud Mishra, and Sunita Rajbhar. Waiting Hai is directed by renowned Hindi film director Sameer Vidwans, who previously directed the Kartik Aaryan and Kiara Advani-starrer Satya Prem Ki Katha. What is the story of the series?The seven-episode series depicts a scam involving the railway's Tatkal ticketing process. A cunning man, Afroz Hamsa (Bhuvan Arora), manipulates others into committing this scam. The Railway Police later uncovers the case. Divyenndu Sharma plays Sugam Mishra, a Railway Police (RRF) constable in the series.

Ishwak Singh signed Kanika Dhillon's film without reading the script and also expressed his candid opinion on the earnings figures.

Ishwak Singh has played diverse roles after the web series "Rocket Boys" and doesn't want to be stuck in a single image. Actor Ishwak Singh received widespread praise for his portrayal of scientist Vikram Sarabhai in the web series "Rocket Boys." However, after this success, he didn't stick to the same image. He subsequently played diverse roles in films like "Adhura," "Mitti: Ek Nayi Pehchaan," and "Made in Heaven Season 2." He also appeared in a different role in the recently released film "Gandhari." He says, "An actor gets all kinds of work; he has many options. However, what he chooses to do depends on his choice." I'm more interested in work I've never done before. Exaggerated earnings: No artist wants to repeat the same work over and over again. However, I give full credit for the diverse opportunities I've received to the producers who trusted me.' Recently, there have been reports of exaggerated film earnings figures in the film industry. I do my work honestly: Regarding the impact of this on his work as an artist, Ishaan says, "In today's times, it's seen that earning a hundred or two hundred crore rupees has become the benchmark for a film's success. Perhaps that's why we often hear such things. However, film earnings are not in anyone's control. As an artist, your job is simply to play your role with complete honesty. Otherwise, no producer or director knows how much their film will earn." Had I known this, the success rate would have been much better.' Doing another film with Kanika Dhillon - After the film Gandhari, Ishwak is doing another film with writer and producer Kanika Dhillon. Ishwak says, 'I accepted the film Gandhari for the first time without even reading a script. The writer and producer of the film, Kanika Dhillon, just told me about the film and I said yes to it. I am doing my next film with her as well, for that too I said yes without reading a script. Our industry needs good writers. Without them, you cannot do anything good as an artist. To improve yourself as an artist, you need good content.

Altaf Raja's non-film song was the biggest hit of the 90s, selling 7 million cassettes in a single day; it remains a cult following even after 29 years.

Altaf Raja sang the most superhit song of the 90s, which is also listed in the Guinness World Records. The craze for this song remains unabated even today. Altaf Raja's song was listed in the Guinness Book of Records. Millions of cassettes of Altaf's song were sold, and it is included in the list of the five most popular songs. The 90s were a time of great popularity. Singers like Kumar Sanu, Udit Narayan, Abhijeet, and Sonu Nigam ruled, and then Altaf Raja arrived. Qawwali singer Altaf Raja started singing in 1997, and his very first song earned a place in the Guinness World Records. This non-film song became an overnight sensation, selling 7 million copies in just one day. Altaf Raja's first song, released in the 90s, surpassed every Bollywood song. People listened to it repeatedly on tape and bought copies. Whenever Altaf Raja performed at a concert, he was always requested to sing this song. This song is "Tum to thehre pardesi saath kya nibhaoge...." Altaf's voice was a breakup song. In 1997, under the Venus banner, Altaf Raja released the album "Tum to thehre pardesi." This was his first song, which became an instant hit. It dealt with betrayal, love, separation, and breakup. Altaf Raja himself appeared in the song. The style in which Altaf Raja sang the song touched hearts. This song, listed in the Guinness Book of Records, became one of the five most popular songs in India. During that period, more than 20 million cassettes of this song were sold. According to reports, 7 million copies of the song were sold in just one day. This record holds the Guinness World Records. Zaheer Alam's lyrics touch the heart—people went crazy for this song in the 90s. Even today, it remains in the hearts of music lovers. Altaf Raja sang this song with simplicity, yet it still touches the heart. The song's lyrics are beautiful. It was written by Zaheer Alam and composed by Mohammad Saifi Niazi.